लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1270

11 फरवरी, 2019 को उत्तर के लिए

कच्चे इस्पात का उत्पाद

1270. श्री संजय धोत्रेः

श्री राहुल शेवालेः

श्री भर्तृहरि महताबः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या गत तीन वर्षों के प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान देश में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा कच्चे इस्पात की उत्पादन क्षमता और उसके वास्तविक उत्पादन के बीच एक अंतर है और यदि हां, तो तत्संबंधी कंपनी-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा उक्त अंतर को पाटने के लिए गठित विशेष प्रयोजन वाहनों (एसपीवी) की संख्या कितनी है और उनकी एसपीवी-वार उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) देश में मेक इन इंडिया कार्यक्रम के प्रारंभ के बाद से सरकार के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सार्वजनिक/निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा उनके विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए किए गए निवेश का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार का विचार उक्त कार्यक्रम में इस्पात कंपनियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए इस्पात संयंत्र स्थापित करने के मानदंडों को शिथिल करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): जी हाँ। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की इस्पात कंपनियों द्वारा क्रूड इस्पात की उत्पादन क्षमता और उसके वास्तविक उत्पादन के बीच अंतर है। वर्ष 2015-16 से 2017-18 और वित्तीय वर्ष 2018-19 (दिसंबर, 2019 तक) तक चार वर्षों का ब्यौरा **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

(ख): दिनांक 09.07.2013 को आयोजित विनिर्माण पर उच्च स्तरीय समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के आधार पर, वर्ष 2025 तक 300 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) इस्पात उत्पादन क्षमता के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए स्पेशल पर्पज व्हीकल की अवधारणा की परिकल्पना की गई थी। एसपीवी रूट के जरिए एकीकृत इस्पात संयंत्र की स्थापना हेतु चार खनिज संपन्न राज्यों नामशः छत्तीसगढ़, ओडिशा, कर्नाटक तथा झारखंड को चिन्हित किया गया था। अब तक, झारखंड और छत्तीसगढ़ की राज्य सरकारों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया जा चुका है। झारखंड और छत्तीसगढ़ में ग्रीनफील्ड एकीकृत इस्पात परियोजनाओं में प्रत्येक की क्षमता रेंज 3+3 अथवा 4+2 एमटीपीए होगी।

(ग): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र होने के नाते मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत नए अथवा विस्तार और आधुनिकीकरण सहित निवेश वाणिज्यिक सोच-विचार और बाजार गतिशीलता सहित विभिन्न कारकों के आधार पर भावी निवेशकों द्वारा किए जाते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र में से सेल ने अपने छः इस्पात संयंत्रों में 72,134 करोड़ रुपये की लागत पर विस्तार एवं आधुनिकीकरण शुरू किया है। आरआईएनएल ने 12,291 करोड़ रुपये की कुल लागत पर विजाग इस्पात संयंत्र का विस्तार एवं आधुनिकीकरण किया था। आरआईएनएल के विजाग इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण और विस्तार का कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके अतिरिक्त, आरआईएनएल ने 6.3 एमटीपीए से 7.3 एमटीपीए तक क्षमता को बढ़ाने हेतु 3600 करोड़ रुपये की लागत से विजाग इस्पात संयंत्र का आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य भी शुरू किया है। एनएमडीसी, नगरनार में ग्रीनफील्ड 3.0 एमटीपीए एकीकृत इस्पात संयंत्र की स्थापना कर रहा है।

(घ): इस्पात नियंत्रणमुक्त उद्योग है और भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण तथा वन मंजूरी, जल उपयोग इत्यादि से संबंधित सांविधिक अपेक्षाओं को छोड़कर नए इस्पात की स्थापना हेतु निवेश के लिए लाइसेंस की आवश्यकता नहीं होती है। इस्पात क्षमताओं में निवेश के संबंध में निर्णय वाणिज्यिक सोच-विचार और बाजार गतिशीलता समेत विभिन्न कारकों पर आधारित होते हैं।

*****

अनुलग्नक-I

(लोकसभा अतारांकित प्रश्न सं. 1270 दिनांक 11 फरवरी 2019)

उत्पादक	2015-16			2016-17			2017-18			अप्रैल-दिसंबर 2018-19 (अनंतिम)		
	कार्य क्षमता	उत्पादन	% उपयोगिता	कार्य क्षमता	उत्पादन	% उपयोगिता	कार्य क्षमता	उत्पादन	% उपयोगिता	कार्य क्षमता	उत्पादन	% उपयोगिता*
सार्वजनिक क्षेत्र												
सेल	17519	14279	82	17519	14494	83	17519	15022	86	17519	11927	91
आरआईएनएल	6300	3641	58	6300	3962	63	6300	4731	75	6300	3898	82
कुल	**23819**	**17920**	**75**	**23819**	**18456**	**77**	**23819**	**19753**	**83**	**23819**	**15825**	**89**
निजी क्षेत्र												
टाटा स्टील लि.	9600	9960	104	12500	11688	94	13000	12459	96	13000	9767	100
एस्सार स्टील लि.	10000	3685	37	10000	5392	54	10000	6753	68	10000	5566	74
जेएसडब्ल्यू स्टील लि.	16600	12679	76	16600	16506	99	18000	16407	91	18000	12635	94
जेएसपीएल	4850	3177	66	4850	3445	71	8600	4041	47	8600	3744	58
अन्य बीओएफ	3160	2221	70	3760	2291	61	7682	5645	73	7682	1823	32
अन्य ईएएफ	15641	13352	85	17127	13186	77	14408	8879	62	14408	9032	84
आईएफ इकाईयाँ	38300	26796	70	39621	26972	68	42466	29221	69	42466	20667	65
कुल	**98151**	**71870**	**73**	**104458**	**79480**	**76**	**114156**	**83378**	**73**	**114156**	**63234**	**74**
सकल योग:	**121970**	**89790**	**74**	**128277**	**97936**	**76**	**13795**	**103131**	**75**	**137975**	**79059**	**76**

स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी); * प्रो-डाटा आधार पर गणना